भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 3374

दिनांक 07 अगस्त, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

एनसीडी के लिए प्रारंभिक जांच कार्यक्रम

3374. श्रीमती कलाबेन मोहनभाई देलकर:

श्री संदिपनराव आसाराम भुमरे:

डॉ. शिवाजी बंडाप्पा कालगे:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देशभर में प्राथमिक और माध्यमिक स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं के अंतर्गत मधुमेह, उच्च रक्तचाप और कैंसर के प्रमुख रूपों के लिए शीघ्र जांच कार्यक्रमों की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) जन स्वास्थ्य पहलों के भाग के रूप में पोषण शिक्षा को कितना संस्थागत बनाया गया है और महाराष्ट्र तथा संघ राज्यक्षेत्र दादरा और नगर हवेली तथा दमण और दीव में तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार द्वारा वायु प्रदूषण से निपटने और निवारक स्वास्थ्य उपाय के रूप में सुरक्षित पेयजल तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए अन्य संबंधित मंत्रालयों के समन्वय से क्या कदम उठाए गए हैं; और

(घ) क्या तृतीयक स्वास्थ्य परिचर्या और आईसीयू अवसंरचना पर व्यय के साथ निवारक स्वास्थ्य देखभाल पर व्यय की तुलना करने के लिए कोई लागत-लाभ मूल्यांकन किया गया है, यदि हां, तो तत्संबंधी निष्कर्ष क्या हैं और सरकार द्वारा विशेष रूप से महाराष्ट्र में इस पर क्या कार्रवाई की गई है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्यमंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (घ): स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, भारत सरकार राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग रोकथाम एवं नियंत्रण कार्यक्रम (एनपी-एनसीडी) के अंतर्गत राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को तकनीकी तथा वित्तीय सहायता प्रदान करता है। एनपी-एनसीडी के तहत, देशभर में 770 जिला एनसीडी क्लीनिक, 233 कार्डियक केयर यूनिट और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में 6,410 एनसीडी क्लीनिक स्थापित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, जिला स्तर पर कैंसर परिचर्या की सुलभता सुनिश्चित करने के लिए देशभर में 524 दैनिक परिचर्या कैंसर केंद्र (डीसीसीसी) कार्यशील हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत देश में व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या के भाग के रूप में सामान्य गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) अर्थात् मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मुख, स्तन तथा गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर की रोकथाम, नियंत्रण और जांच के लिए जनसंख्या-आधारित पहल शुरू की गई। इस

पहल के अंतर्गत, 30 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों को जांच के लिए लक्षित किया जाता है। राष्ट्रीय एनसीडी पोर्टल के अनुसार, जुलाई 2026 तक 42.4 करोड़ लोगों की उच्च रक्तचाप के लिए, 42.21 करोड़ लोगों की मधुमेह के लिए, 36.11 करोड़ लोगों की मुख कैंसर के लिए, 16.94 करोड़ महिलाओं की स्तन कैंसर के लिए तथा 9.31 करोड़ महिलाओं की गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर के लिए जांच की जा चुकी है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) और पोषण अभियान के अंतर्गत महाराष्ट्र तथा दादरा और नगर हवेली एवं दमन और दीव संघ राज्य राज्य क्षेत्र सहित देशभर में, पोषण शिक्षा को जन स्वास्थ्य पहलों के एक अभिन्न घटक के रूप में संस्थागत किया गया है। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (एएएम), ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवसों (वीएचएसएनडी) तथा सामुदायिक-आधारित मंचों के माध्यम से पोषण शिक्षा और परामर्श प्रदान करने के लिए जीवन-चक्र आधारित दृष्टिकोण अपनाया गया है। महिला और बाल विकास मंत्रालय के तालमेल से कार्यान्वित पोषण अभियान के अंतर्गत, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद–राष्ट्रीय पोषण संस्थान (एनआईएन) द्वारा विकसित पोषण ई-लर्निंग मॉड्यूलों द्वारा समर्थित जन आंदोलन दृष्टिकोण के माध्यम से व्यवहार परिवर्तन संचार को प्रोत्साहित किया जाता है। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके), राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरकेएसके) तथा ईट राइट इंडिया पहल के माध्यम से पोषण शिक्षा को और अधिक सुदृढ़ किया गया है। इन कार्यकलापों को महाराष्ट्र तथा दादरा और नगर हवेली एवं दमन और दीव संघ राज्य क्षेत्र सहित सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में समान रूप से लागू किया जाता है।

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने वायु प्रदूषण से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए वर्ष 2019 में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) शुरू किया। जल शक्ति मंत्रालय, राज्यों की साझेदारी में, जल जीवन मिशन (जेजेएम) – हर घर जल कार्यक्रम का कार्यान्वयन कर रहा है, जिसका उद्देश्य देश के प्रत्येक ग्रामीण परिवार को कार्यात्मक नल जल कनेक्शन के माध्यम से पीने योग्य पानी उपलब्ध कराना है।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर के माध्यम से व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या के अंतर्गत एनसीडी के निवारक पहलू को सुदृढ़ किया गया है, जिसके तहत महाराष्ट्र सहित, देशभर में, सामुदायिक स्तर पर स्वास्थ्य एवं कल्याण कार्यकलापों को बढ़ावा देने और लक्षित संचार के माध्यम से जागरूकता बढ़ाई जा रही है। एनसीडी के बारे में जन-जागरूकता बढ़ाने तथा स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करने के लिए अन्य पहलों में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य दिवसों का आयोजन तथा निरंतर सामुदायिक जागरूकता के लिए प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया का उपयोग शामिल है। इसके अतिरिक्त, फिट इंडिया मुवमेंट नियमित शारीरिक गतिविधि और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देता है, जबकि खेलो इंडिया कार्यक्रम सभी आयु वर्गों के बीच खेल और फिटनेस को प्रोत्साहित करता है। स्वास्थ्य और आरोग्यता को बढ़ावा देने के लिए आयुष मंत्रालय द्वारा योग से संबंधित विभिन्न गतिविधियाँ भी संचालित की जाती हैं।

*****